B.A. Part II

(IV) Paper

Theory of Comparative Cost

International Trade के अन्तर्गत Comparative cost के सिद्धान्त का प्रतिपादन Ricardo ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Principle of Political Economy and Taxation, 1817' में तथा टोरेन्स ने अपनी पुस्तक 'An Essay on The External Corn Trade, 1815' में की थी।

इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश को उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त करनी चाहिए, अर्थात् प्रत्येक देश उन वस्तुओं का उत्पादन एवं निर्यात करता है, जिनके उत्पादन में उसको तुलनात्मक लागत न्यूनतम होती है, अर्थात् उसे अधिक लाभ होता है इसके विपरीत वह उन वस्तुओं का दूसरे देश से आयात करता है जिनके उत्पादन में तुलनात्मक लागत अधिक होती है। अर्थात् हानि होती है। तुलनात्मक उत्पादन लागत पर आधारित होने के कारण ही इस सिद्धान्त को 'तुलनात्मक लागत सिद्धान्त' के नाम से पुकारा जाता है।

प्रत्येक देश को किसी वस्तु के उत्पादन में, जलवायु, खनिज पदार्थ एवं भौगोलिक स्थिति सम्बन्धी कुछ विशेष सुविधाएँ प्राप्त होती हैं जिसके कारण उन देशों की तुलना में कुछ वस्तुओं के उत्पादन में श्रेष्ठता पायी जाती है यही कारण है कि कोई भी देश उन विशेष वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त कर लेते हैं।

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर इस सिद्धान्त की मूलभूत स्थापना निम्न प्रकार से हैं:- सिद्धान्त के अनुसार उन वस्तुओं का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त अधिक मात्रा में करना जिनके द्वारा ही उत्पादन अधिक, जिनके लिए उपयुक्त जलवायु, प्राकृतिक साधन, तकनीकी ज्ञान आदि सुविधाएँ विशेष रूप से उपलब्ध हो जाती हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश को उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त करनी चाहिए अर्थात् उन वस्तुओं का निर्यात करना चाहिए जिनमें उनके तुलनात्मक लाभ अधिक हैं।

Scanned with CamScanner

रिकार्डो तुलनात्मक लागत सिद्धान्त की आलोचना बर्टिल ओहलिन द्वारा प्रस्तुत किया है। आलोचकों का मानना है कि Classical Economist ने केवल Labour को ही आधार माना है, यह अनुचित है क्योंकि उत्पादन केवल श्रम से ही नहीं बल्कि Land and Capital की भी आवश्यकता होती है। साथ ही आलोचकों का कहना था कि Classical Economist इस बात पर आधारित है कि लागत का नियम, स्थायी व्यय, साधनों की गतिशीलता, अपूर्ण प्रतियोगिता, साधनों के आवागमन का महत्व, सेवाओं का व्यापार नीति पर आधारित थी कि उचित नहीं जान पड़ता है।

निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि Theory of Comparative Cost demonstrate that until and unless the internal rate of Exchange between Two Countries is not different the international trade will not take place- लेकिन रिकार्डो इस सिद्धान्त ने International trade (व्यापार) का सुव्यवस्थित सिद्धान्त प्रस्तुत किया है जो अनेक समस्याओं की व्याख्या के लिए महत्वपूर्ण यन्त्र साबित हुआ है।

[illegible]